भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 315

(जिसका उत्तर सोमवार, 05 फरवरी, 2024/16 माघ, 1945 (शक) को दिया जाना है)

जीडीपी वृद्धि का अनुमान

315. श्री जी.एम. सिद्धेश्वर:

श्रीमती पूनम महाजन:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने कृपा करेंगे कि:

(क) चालू वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान क्या है;

(ख) क्या भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अथवा सरकार ने वैश्विक वित्तीय स्थितियों के संदर्भ में वित्तीय वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाहियों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के अनुमान के संबंध में कुछ अध्ययन किए हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा प्रणाली में नकदी लाने के लिए क्या प्रयास किए गए है और ये कदम किस हद तक सफल रहे हैं?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क)-(ग): भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दिसंबर 2023 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 2023-24 की तीसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 6.0 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने 2023-24 में कुल वृद्धि 7.0 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी प्रथम अग्रिम अनुमान (एफएई) के अनुसार, 2023-24 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत अनुमानित है।

(घ): 2023-24 (जनवरी 2024 तक) के दौरान, रिज़र्व बैंक द्वारा बेहतर समन्वय वाले आठ परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) के माध्यम से ₹ 8.0 लाख करोड़ की राशि और तीन मुख्य वीआरआर के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में ₹ 4.7 लाख करोड़ राशि की नकदी डाली गई। इसमें, अन्य के साथ-साथ, अप्रैल-नवंबर 2023 में गैर-खाद्य ऋण में 18.6 प्रतिशत की सालाना वृद्धि में योगदान दिया है।

***